26 may 1-8 pages.qxd 5/26/2025 8:59 AM Page 2

दैनिक
भारतेन्दु शिखर

वर्ष : 26 | अंक : 27 | शिमला | सोमवार 26 मई, 2025 | मूल्य : 1.50 रुपए

कल से भारी बारिश, इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

शिमला : राजधानी शिमला समेत प्रदेश के कई इलाकों में रात भर बारिश का दौर जारी रहा। खासकर शिमला, कुल्लू व मंडी जिलों में जमकर मेघ बरसे हैं। इन जिलों में मूसलाधार बारिश दर्ज की गई है, वहीं कुछ क्षेत्रों में हुई ओलावृष्टि ने फसलों को नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग ने 27 व 28 मई को भी भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट राज्य के पांच जिलों के लिए दिया है, वहीं 31 मई तक मौसम का रुख ऐसा ही रहेगा और आंधी के साथ तेज तूफान चलने की संभावना जताई गई है। बारिश के साथ कुल्लू जिला में कई स्थानों पर ओलावृष्टि हुई है, जिससे वहां पर बागबानी क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। गत शनिवार रामपुर के जगातखाना में बादल फटने से काफी बड़ा नुकसान आंका गया है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें, तो सोमवार को भी प्रदेश के कई इलाकों में आंधी के साथ भारी बारिश होगी। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है।

छपते-छपते

पेड़ की टहनी काटने पर पीटे एक परिवार के तीन लोग

ऊना : बंगाणा उपमंडल के तहत गांव भूड में पेड की टहनी काटने पर आरोपितों ने एक महिला, उसके पति व बेटे के साथ मारपीट कर दी। उक्त हादसे में तीनों को चोटें आई है। पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर नामजद लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में एक महिला ने बताया कि इन्हें पेड़ की टहनी की जरुरत थी। इसलिए इनका बेटा इनके घर के पास एक पेड़ की टहनी काट रहा था। इस दौरान कुछ लोग वहां आ गए और उन्होंने इसके, इसके पति इसके बेटे के साथ मारपीट शुरु कर दी। मारपीट में इन्हें चोटें आई है। उधर, एसपी अमित यादव ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है।

नशा सबसे बड़ी समस्या, बच्चों को बचाना होगा

कांगड़ा : एमसीएम डीएवी महाविद्यालय कांगड़ा में तीन-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस का शुभारंभ 25 मई, 2025 को हुआ । इस कान्फ्रेंस में एचआरटीसी उपाध्यक्ष अजय वर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की । महाविद्यालय के प्राचार्य डाक्टर बलजीत सिंह पटियाल ने मुख्यातिथि को शॉल और टोपी पहनाकर विधिवत रूप से औपचारिक स्वागत किया । मुख्यातिथि अजय वर्मा ने बताया कि डीएवी कालेज लगातार बुलंदियों को छू रहा है और इसका श्रेय समस्त डीएवी परिवार को जाता है। डीएवी महाविद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेल सांस्कृतिक गतिविधियों और शोध कार्य निरंतर चलता है, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है । इसके साथ ही मुख्यातिथि ने कहा कि वर्तमान समय में एक गंभीर समस्या नशे की है, जिससे बच्चों को बचाना होगा तथा माता-पिता और शिक्षकों का यह मुख्य दायित्व भी है । इस कान्फ्रेंस में की.नोट स्पीकर के रूप में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से पधारे प्रोफेसर महावीर सिंह उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से तुर्की से सेब आयात पर चर्चा की

सुक्खू ने कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तारीकरण पर भी चर्चा की

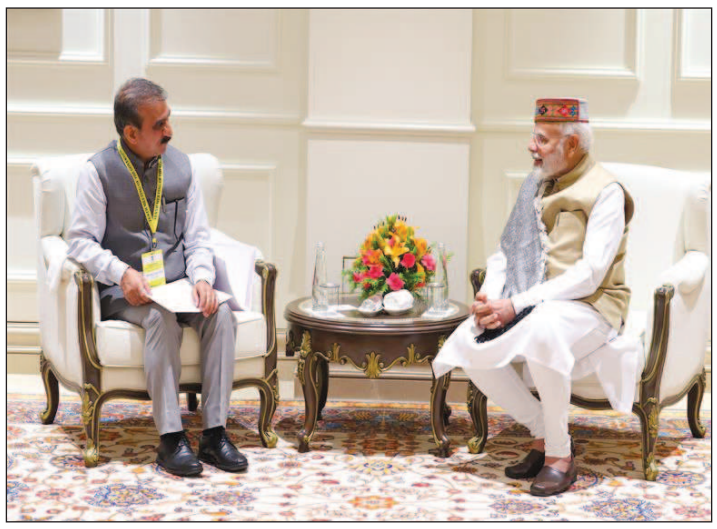

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर हिमाचल प्रदेश के लिए उदार वित्तीय सहायता प्रदान करने तथा लम्बित धनराशि शीघ्र जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को अवगत करवाया कि प्रदेश सरकार ने हिमाचल को वर्ष-2032 तक आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा है। राज्य सरकार इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू कर रही है और वर्तमान योजनाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में निरन्तर प्रयासरत है।

उन्होंने प्रधानमंत्री को प्रदेश सरकार की पर्यटन, हरित ऊर्जा, विद्युत और अन्य क्षेत्रों में की गई पहल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जल विद्युत परियोजनाओं में राज्य के हितों की रक्षा की पैरवी की। उन्होंने इन परियोजनाओं को राज्य को लौटाने के लिए समय सीमा तय करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने जल विद्युत परियोजनाओं में राज्यों के अधिकारों की भी पुरजोर वकालत की और मुफ्त रॉयल्टी तथा 40 वर्ष पूरे कर चुके पीएसयू तथा सीपीएसयू को राज्य को सौंपने का मामला भी उठाया। उन्होंने 40 वर्ष पूरा कर चुकीं परियोजनाओं से अधिशेष भूमि वापिस करने और योजना लागत पूरी करने के उपरान्त रॉयल्टी में बढ़ोतरी से संबंधित मामला भी उठाया। सुक्खू ने कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तारीकरण पर चर्चा की। उन्होंने राज्य के सेब उत्पादकों के हितों की रक्षा का भी आग्रह किया तथा तुर्की और अन्य देशों से सेब के आयात के संबंध में चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री की मांगों को सुना और सेब के आयात संबंधी मामले की समीक्षा करने तथा अन्य मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

स्पोर्ट फॉर स्टेटिस्टिकल स्ट्रेंथनिंग विषय पर कार्यशाला आयोजित

शिमला : सचिव लोक निर्माण, वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी, हिमाचल प्रदेश डॉ.अभिषेक जैन ने कहा कि विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों को गति प्रदान करने एवं निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने के लिए सांख्यिकीय प्रणालियों को और अधिक मज़बूत करना आवश्यक है। डॉ. अभिषेक जैन आज सोलन ज़िला के क्यारीघाट में हिमाचल प्रदेश आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण के लिए सहायता योजना (स्पोर्ट फॉर स्टेटिस्टिकल स्ट्रेंथनिंग) एस.एस.एस. पर एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्य सांख्यिकीय प्रणालियों की क्षमता बढ़ाना है ताकि विश्वसनीय और सटीक सांख्यिकीय डाटा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत प्रदेश को सांख्यिकीय गतिविधियों जैसे डाटा संग्रह, प्रोसेसिंग और विश्लेषण के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। डॉ. अभिषेक जैन ने कहा कि सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण के लिए सहायता योजना से डाटा संग्रह करने में सुगमता होगी और प्रोसेसिंग के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग करने में मदद मिलेगी।

इससे योजनाओं और विकास कार्यों की अनुश्रवण के लिए उपयुक्त डाटा प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के अनुश्रवण से समयबद्धता सुनिश्चित होती है और निर्धारित समय पर पूर्ण योजनाएं धन की बचत कर आर्थिक सुदृढ़ीकरण का माध्यम बनती हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला डाटा को और बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगी। डाटा संचालित करने में भी यह कार्यशाला लाभकारी रहेगी। उन्होंने कहा कि स्टीक डाटा शासन प्रणाली और प्रमाण आधारित विकास, योजना को सफल बनाने का आधार है। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी की आज के युग में मांग है क्योंकि सांख्यिकी डाटा एकत्रिकरण के माध्यम से योजनाओं एवं कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी एवं लक्षित बनाने में सहायक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा कि डाटा सही, एक्यूरेट, रिवाइवल व स्टीक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विभाग के पास सभी विभागों का डाटा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि डाटा को किसी भी रूप में एकत्रित कर लोगों तक पहुंचाना आवश्यक है ताकि लोग सूचनाओं, योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सम्बन्ध में अपडेट रहें। आर्थिक सलाहकार डॉ. विनोद राणा ने कहा कि सांख्यिकी प्रणाली सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक है और यह प्रमाणिक डाटा प्रदान करती है। सांख्यिकी पारदर्शी और उत्तरदायी शासन को सुदृढ़ भी बनाती है।

मुख्यमंत्री ने केन्द्र से लम्बित देय राशि जारी करने की वकालत की

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में भाग लिया जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। बैठक में इस वर्ष 'विकसित भारत के लिए विकसित राज्य/2047' विषय पर चर्चा की गई। बैठक में विकास की राह में चुनौतियां तथा विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को हासिल करने के लिए इन चुनौतियों का सामना करने पर बल दिया गया। ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पर्वतीय राज्यों की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न योजनाओं की पात्रता में छूट देते हुए अधिक धनराशि आवंटित की जानी चाहिए। उन्होंने राज्य को लम्बे समय से लम्बित देय राशि को भी जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अगर केन्द्र द्वारा लम्बित देय राशि को समय पर जारी किया जाता है तो हिमाचल प्रदेश आत्मनिर्भर राज्य बन जाएगा। मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश को देश के पर्यटन मानचित्र पर सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल के रूप में लाने के लिए राज्य सरकार के विजन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं। देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए धार्मिक, इको, जल, प्राकृतिक गतिविधि आधारित और स्वास्थ्य पर्यटन को विविध आयाम प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांगड़ा हवाई अड्डे पर बड़े विमानों के उतरने के लिए हवाई पट्टी का विस्तारीकरण किया जा रहा है जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ-साथ पर्यटकों को भी सुविधा होगी।

उन्होंने जल विद्युत परियोजनाओं में राज्यों के अधिकारों की भी पुरजोर वकालत की और मुफ्त रॉयल्टी और 40 वर्ष पूरे कर चुके पीएसयू तथा सीपीएसयू को राज्य को सौंपने का मामला भी उठाया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की ऊर्जा नीति के अनुसार रॉयल्टी संबंधी मामला भी उठाया। सरकार की वर्तमान नीति के अनुसार पहले 12 वर्षों के लिए 12 प्रतिशत, उसके उपरान्त 18 वर्षों के लिए 18 प्रतिशत तथा इसके बाद 10 वर्षों के लिए 30 प्रतिशत रॉयल्टी का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कार्यरत निजी कम्पनियां सरकार की ऊर्जा नीति की अनुपालना कर रही हैं। उन्होंने केन्द्रीय पीएसयू को भी इस नीति को अपनाने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की वन सम्पदा उत्तर भारत को प्राण वायु प्रदान करती है तथा देश के हरित आवरण को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए राज्य को ग्रीन बोनस मिलना चाहिए। प्रदेश सरकार ने हिमाचल को 31 मार्च, 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य के रूप में विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

सुख की सरकार ला रही कामगारों के बच्चों के जीवन में उच्चतर शिक्षा का उजाला

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : व्यक्तित्व विकास में शिक्षा का महत्व सर्वविदित है। एक शिक्षित व्यक्ति से ही शिक्षित समाज का निर्माण होता है और शिक्षित समाज राष्ट्र की उन्नति में सहायक होता है। प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के दूरदर्शी नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में कई नवोन्मेषी पहल कर रही है, वहीं वंचित वर्गों तक शिक्षा की लौ जलाकर उन्हें मुख्यधारा में लाने के दृष्टिगत अनेकों कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है।

मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले कामगारों के बच्चों के जीवन में उच्च शिक्षा का उजाला लाने के लिए एक ऐसी ही योजना प्रदेश सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड के माध्यम से संचालित की जा रही है। शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता योजना के तहत पहली कक्षा से पी.एच.डी. तक की उच्चतर शिक्षा ग्रहण करने के लिए उन्हें 8,400 रुपए से लेकर 1.20 लाख रूपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मंडी जिला में इस योजना के तहत कामगार बोर्ड में पंजीकृत कामगारों के 1254 बच्चों को लगभग 3.41 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त लाभार्थी के बच्चों को हॉस्टल में रहने पर हॉस्टल सुविधा योजना के तहत प्रतिवर्ष 20 हजार रुपए की वित्तीय मदद दी जाती है।

शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता योजना का लाभ लेने वाली सरकाघाट क्षेत्र के गांव योह की निलिमा देवी ने बताया कि उनके पति मनोज कुमार लोगों के घरों में श्रमिक का कार्य तथा पंचायत में मनरेगा की दिहाड़ी लगा परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सहेली से कामगार कल्याण बोर्ड की इस योजना बारे पता चला। पति का श्रमिक कार्ड बना है। बेटियों की पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता का फॉर्म भरा जिस पर कामगार कल्याण बोर्ड द्वारा दोनों बेटियों रितिका कक्षा छठी और कृतिका दसवीं कक्षा की पढ़ाई के लिए 16,800 रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई है। निलिमा ने इसके लिए प्रदेश सरकार व कामगार कल्याण बोर्ड का धन्यवाद किया है।

एक अन्य लाभार्थी जोगिंद्रनगर के दारट गांव के रोहित का कहना है कि वह राजीव गांधी मेमोरियल महाविद्यालय जोगिंद्रनगर में पढाई कर रहे हैं।

मोटर मार्केट शिफ्ट करने के कार्य में तेजी लाना प्राथमिकता : विक्रमादित्य सिंह

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : नगर निगम शिमला द्वारा घोड़ा चौकी कच्ची घाटी में व्यापार मंडल के लिए निर्मित कार्यालय का लोकार्पण रविवार को लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शहर के विकास में व्यापार मंडल की भूमिका अहम रहती है। स्वरोजगार के साथ लोगों बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाने में व्यापार मंडल वर्षों से कार्य कर रहा है। व्यापार मंडल के बेहतर संचालन के लिए कार्यालय नगर निगम के भवन में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यहां के व्यापारियों की लंबे समय से मांग है कि मोटर मार्केट के लिए अलग से स्थान चिन्हित किया जाए। मल्याना में मोटर मार्केट के किए भूमि का चयन कर लिया गया है। इसके साथ ही भूमि परिवहन विभाग के नाम पर ट्रांसफर कर दी गई है। इस जगह का निरीक्षण जल्द कर मुख्यमंत्री के समक्ष मामले को उठाया जाएगा ताकि कार्य में तेजी आए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है कि शिमला शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतरीन करने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए। ऐसे में मोटर मार्केट शिफ्ट होने से शहर में जाम से काफी निजात होगा।

उन्होंने कहा कि कच्ची घाटी में पार्किंग के लिए भूमि ढूंढें। जैसे ही भूमि का चयन हो जाएगा पार्किंग निर्माण के लिए बजट मुहैया करवाया जाएगा।

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2025 का मंडी में सफल आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2025 का जिला मुख्यालय मंडी में सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह परीक्षा जिले के तीन केंद्रों राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (बॉयज), वल्लभ कॉलेज तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला (गर्ल्स) में दो सत्रों में संपन्न हुई। प्रथम सत्र प्रात: 9:30 बजे से 11:30 बजे तक तथा दूसरा सत्र दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित हुआ।

परीक्षा में कुल 576 परीक्षार्थियों को भाग लेना था, जिनमें से प्रथम सत्र में 404 परीक्षार्थियों ने भाग लिया और 172 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरे सत्र में 405 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया और 171 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। अतिरिक्त उपायुक्त मंडी रोहित राठौर ने बताया कि परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण बना रहा।

सुरक्षा, पारदर्शिता और अनुशासन को बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध किए गए थे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल, निरीक्षकगण एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि परीक्षार्थियों द्वारा ई-एडमिट कार्ड की अनिवार्यता, मोबाइल एवं इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर प्रतिबंध और समय पर प्रवेश जैसे दिशा-निर्देशों का समुचित पालन किया गया।

एसजेवीएन ने 38वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : एसजेवीएन ने 24 मई को भारत एवं नेपाल में अपने समस्त कार्यालयों तथा परियोजनाओं में 38वां स्थापना दिवस मनाया। शिमला में आयोजित समारोह का उद्घाटन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) भूपेंद्र गुप्ता ने निदेशक (कार्मिक) अजय कुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में एसजेवीएन कॉर्पोरेट ध्वज फहराकर किया।

इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक (सिविल) एस. मारासामी, कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) श्री चंद्र शेखर यादव तथा निगम मुख्यालय के कर्मचारी अपने परिवारों सहित उपस्थित रहे।

भूपेंद्र गुप्ता ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए एसजेवीएन की स्थापना के उपरांत की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले स्थापना दिवस से अब तक 410 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं कमीशन की जा चुकी हैं। कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में, माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 22 मई, 2025 को राजस्थान में एसजेवीएन की 100 मेगावाट की नवा सौर परियोजना की आधारशिला रखी। कंपनी की भविष्य की योजनाओं को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि एसजेवीएन 1320 मेगावाट की बक्सर ताप विद्युत परियोजना एवं 1000 मेगावाट बीकानेर सौर परियोजना को शीघ्र कमीशन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) ने अपने संबोधन में कंपनी की वृद्धि और उत्कृष्टता की यात्रा में योगदान देने के लिए कर्मचारियों और उनके परिजनों की अटल प्रतिबद्धता की सराहना की। इस अवसर पर भूपेंद्र गुप्ता ने निदेशक (कार्मिक), अजय कुमार शर्मा और कारपोरेट मुख्यालय के विभागाध्यक्षों को उनकी टीम भावना, नेतृत्व क्षमता तथा संगठनात्मक क्षमताओं के लिए सम्मानित किया। उन्होंने एसजेवीएन कर्मचारी कल्याण योजना के तहत 'स्वास्थ्य चैंपियन' के रूप में चयनित 15 कर्मचारियों को भी सम्मानित किया।

सुविधाओं से लैस होंगी वन विभाग की शिमला स्थित कालोनियां : के थिरुमल

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : वन विभाग के शिमला स्थित कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारयों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा। विशेषकर वन विभाग की शिमला स्थित खालीनी, मिस्ट चैंबर और चक्कर कालोनियों में कर्मचारयों को टाईप-।, टाईप-।। और टाईप-।।। मकानों में लम्बे अरसे से चल रही दिक्कतों से वर्ष 2025 में निजात मिलेगी। वन विभाग के सरकारी आवासों में पिछले कई वर्षों से चली आ रही खस्ता हालत के लिए चरणबद्ध तरीके से काम किया जाएगा। यह बात शिमला के सीसीएफ के थिरुमल ने वन विभाग कर्मचारी महासंघ की शिमला इकाई द्वारा आयोजित

एक बैठक में कर्मचारयों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि छोटे कर्मचारी वन विभाग की रीढ़ की हड्डी हैं, और उनके लिए सरकारी आवासों में मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। थिरुमल ने बताया कि छोटे कर्मचारयों को शिमला में रहने के लिए सरकारी मकान काफी कम हैं, जिसके चलते अनेक कर्मचारयों को प्राईवेट मकानों में रहना पड़ रहा है। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि वो उच्चाधिकारियों के समक्ष कर्मचारयों के लिए चरणबद्ध तरीके से टाईप-।, टाईप-।। और टाईप-।।। के आवास बनाने हेतु एक प्रस्ताव रखेंगे, ताकि शिमला में सभी कर्मचारयों को सरकारी आवास सुनिश्चित हो सकें। सीसीएफ शिमला ने बताया कि उन्हें अक्सर यह शिकायतें मिल रही हैं कि छोटे कर्मचारियों के मकानों में ज़रूरी मुरम्मत भी नहीं की जाती. जबकि अधिकारयों के सरकारी आवासों में अधिक धनराशि खर्च की जाती है। अब यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सरकारी मकानों में अधिकारयों और कर्मचारयों के मकानों के लिए एक सुनिश्चित अनुपात के तहत धनराशी आबंटित की जाए।

शिमला में गर्मियों में पानी की किल्लत को दूर करने के लिए अब 500 के स्थान पर 1000 लीटर के स्टोरेज टैंक लगाए जाएंगे, ताकि कर्मचारियों को पानी की दिक्कत न हों।

पीएम किसान योजना के लाभार्थियों हेतु ग्राम सभाएं आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) के अंतर्गत पात्र किसानों को समय पर एवं सुचारू रूप से लाभ प्रदान करने हेतु जिला प्रशासन मंडी द्वारा जिला की सभी ग्राम पंचायतों में आज ग्राम सभाएं आयोजित की गईं।

इस संबंध में जानकारी देते हुए अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी मंडी डॉ मदन कुमार ने बताया कि ग्राम सभा का पहला आयोजन आज रविवार 25 मई को संपन्न हुआ, जबकि दूसरी ग्राम सभा 29 मई को आयोजित की जाएगी। इसी क्रम में विशेष शिविर कल 26 मई को पटवार वृत्त स्तर पर आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस दौरान किसानों की ई-केवाइसी, भूमि सीडिंग और बैंक खाते के साथ आधार सीडिंग का कार्य किया जा रहा है। इन आयोजनों का उद्देश्य उन लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान करना है जिनकी किश्तें तकनीकी कारणों से लंबित हैं। जिन किसानों की किश्तें भूमि विवरण (लैंड सीडिंग या मैपिंग) के अभाव में रुकी हुई हैं, वे अपने भूमि दस्तावेजों के साथ प्रार्थना पत्र संबंधित पटवारी को सोमवार को आयोजित शिविर स्थल पर जमा करवा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि ग्राम सभाओं में ई-केवाइसी प्रक्रिया अधूरी होने के कारण कई किसानों की किश्तें रुकी हुई थीं। ग्राम सभाओं में आज उनकी ई-केवाइसी पूर्ण करवाई गई।

सत्यमेव जयते

वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF
TEXTILES

एकता

हिमाचल प्रदेश सरकार

हिमाचल प्रदेश में वस्त्र के लाभ पर प्रदर्शनी एवं ज्ञान साझाकरण सत्र

वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार आपको सादर आमंत्रित करता है

हथकरघा, हस्तशिल्प, रेशम, ऊन और जूट के

विविध उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री

19 से 26 मई 2025

स्थान: पदम देव कॉम्प्लेक्स, द रिज, शिमला

ज्ञान सत्र: सुबह 11:00 से दोपहर 1:00 बजे तक

ज्ञान सत्र: दोपहर 02:00 से शाम 05:00 बजे तक

स्थान: गेयटी थिएटर, मॉल रोड, शिमला

19 मई 2025	1. एमओटी (पीएम मित्र, इन्फ्रा, एसआईटीपी सहित), एमओटी और हिमाचल राज्य सत्र एमपीएच द्वारा सत्र की पहल	2. सत्र निर्यात | निर्यात प्रभाग एमओटी एमपीएच	एमओटी + एचपी स्टेट-8 वक्ता, 300 प्रतिभागी निर्यात-4 वक्ता, 150 प्रतिभागी
20 मई 2025	1. सत्र समर्थ | समर्थ डिविजन एमओटी | एमपीएच 2. सत्र जूट के विविध उत्पाद-कौशल, पिछड़े और आगे के लिंकेज, बाजार और निर्यात के अवसर एनजेबी सीएच	3. सत्र एनटीटीएम | जूट जियो-टेक्सटाइल्स और तकनीकी टेक्सटाइल्स | एनजेबी और एनटीटीएम एमओटी | एमपीएच 4. सत्र सिल्क | सीएसबी | सीएच	समर्थ-4 वक्ता, 150 प्रतिभागी जेडीपी एनजेबी-6 वक्ता, 70 प्रतिभागी एनटीटीएम+जेजीटी एनजेबी 11 वक्ता, 200 प्रतिभागी सिल्क सीएसबी-4 वक्ता, 50 प्रतिभागी
21 मई 2025	1. निर्यात विपणन, ब्रांडिंग और ई-कॉमर्स के लिए जीएल की प्रासंगिकता सत्र डीसी हैंडलूम और डीसी हस्तशिल्प एमपीएच 2. सत्र हिमाचल की ऊन विरासत, ऊन और रेशम का मिश्रण | सीडब्ल्यूडीबी और सीएसबी | सीएच	3. सत्र | सस्टेनेबल फ़ैशन | एनआईएफटी | एमपीएच 4. एचपी/टीएक्ससी ऑफिस सीएच में कपड़ा विनिर्माण मूल्य श्रृंखला के लिए गुंजाइश और क्षमता	हथकरघा + हस्तशिल्प: 12 वक्ता, 200 प्रतिभागी ऊन + रेशम: 4 वक्ता, 50 प्रतिभागी एनआईएफटी: 4 वक्ता, 200 प्रतिभागी टीएक्ससी: 5 वक्ता, 50 प्रतिभागी

के सहयोग से

CENTRAL SILK BOARD, INDIA · DCHL · INDIA HANDLOOM · Development Commissioner (Handicrafts) Ministry of Textiles, Govt. of India · JUTE MARK INDIA

आयोजक

राष्ट्रीय पटसन बोर्ड NATIONAL JUTE BOARD — MINISTRY OF TEXTILES, GOVT. OF INDIA

ब्रीफ न्यूज

टीम इंडिया की तरह काम करें सरकारें : नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार और राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। पीएम नीति आयोग की 10वीं शाषी परिषद की बैठक में बोल रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग के टॉप निकाय शासी परिषद की 10वीं बैठक शनिवार को नई दिल्ली में शुरू हुई है। इस बैठक का विषय '2047 में विकसित भारत के लिए विकसित राज्य' है। नीति आयोग की शीर्ष इकाई शासी परिषद में सभी मुख्यमंत्री, केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के पदेन अध्यक्ष हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचों के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद यह सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी की पहली बड़ी बैठक है।

पीएम मोदी ने कहा, ''विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा तो भारत विकसित होगा। यह इसके 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।'' उन्होंने कहा, ''राज्यों को अपने-अपने यहां सभी सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ वैश्विक मानकों के अनुरूप कम-से-कम एक टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित करनी चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''एक राज्य एक टूरिस्ट डेस्टिनेशन' का टार्गेट लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इससे टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में आस-पास के शहरों के विकास का रास्ता साफ होगा।'' नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है।

ई-केवाईसी के बिना खाते में नहीं आएंगे पैसे

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों की आर्थिक मदद के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत पात्र किसानों को हर साल कुल 6000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है। किसानों को 4-4 महीने के अंतराल पर 2000-2000 रुपये की 3 किस्त दी जाती हैं। केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले ये पैसे सीधे किसानों के बैंक खाते में आते हैं। पीएम किसान योजना के तहत लाभ पाने के लिए रजिस्टर्ड किसानों को ओटीपी बेस्ड ई-केवाईसी कराना अनिवार्य है। अगर किसी किसान का ई-केवाईसी पेंडिंग है तो उसके बैंक खाते में पैसे नहीं आएंगे।

पीएम-किसान योजना के लिए अगर आपका ई-केवाईसी पेंडिंग है, तो इसका मतलब ये हुआ कि आपकी पहचान का वैरिफिकेशन पूरा नहीं हुआ है। ऐसे में आपको मिलने वाली आर्थिक मदद में या तो देरी हो सकती है या छूट सकती है। लिहाजा, सभी किसानों को इस योजना का लाभ उठाने के लिए ई-केवाईसी कराना बहुत जरूरी है। अगर आपका भी ई-केवाईसी पेंडिंग है तो हम यहां ई-केवाईसी करने का सबसे आसान तरीका बताने जा रहे हैं, जिससे आपका ये बेहद जरूरी काम कुछ मिनटों में ही पूरा हो जाएगा। बताते चलें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछली बार 24 फरवरी, 2025 को अपने बिहार दौरे पर पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जारी की थी। 19वीं किस्त प्राप्त करने के बाद अब देशभर के किसान 20वीं किस्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पीएम किसान योजना के तहत, किसानों को अगली यानी 20वीं किस्त के पैसे जून में मिलने की उम्मीद है।

जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना भारत

नई दिल्ली : भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने नीति आयोग शासी परिषद की 10वीं बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि कुल मिलाकर वैश्विक और आर्थिक माहौल भारत के अनुकूल है। उन्होंने कहा, ''मैं जब बोल रहा हूं, तब हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। आज हम 4,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष के आंकड़ों का हवाला देते हुए सुब्रह्मण्यम ने कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था जापान से बड़ी है।

उन्होंने कहा, ''केवल अमेरिका, चीन और जर्मनी ही भारत से बड़े हैं और अगर हम अपनी योजना और सोच पर कायम रहते हैं, तो ढाई-तीन साल में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे।'' आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल के बयान पर एक सवाल का जवाब देते हुए, सुब्रह्मण्यम ने कहा, ''टैरिफ रेट्स क्या होंगी, यह अनिश्चित है। लेकिन जिस तरह चीजें बदल रहीं हैं, हम मैन्यूफैक्चरिंग के लिए सस्ती जगह होंगे।'' ट्रंप ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका में बिकने वाले एपल आईफोन की मैन्यूफैक्चरिंग अमेरिका में ही होगी, न कि भारत में या कहीं और। नीति आयोग के सीईओ ने यह भी कहा कि संपत्तियों को बाजार पर चढ़ाने का दूसरा चरण तैयार किया जा रहा है और इसकी घोषणा अगस्त में की जाएगी।

वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में देश की ग्रोथ रेट 6.8 फीसदी रह सकती है। इसका मतलब है कि देश की इकोनॉमी इस दौरान तेजी से बढ़ी है। इस बढ़ोतरी के पीछे खेती किसानी, होटल, ट्रांसपोर्ट और कंस्ट्रक्शन जैसे सेक्टर्स का मजबूत प्रदर्शन है। केयरएज रेटिंग्स नाम की एक संस्था की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, गांवों में लोगों की खरीदारी बढ़ी है, जिससे खपत मजबूत हुई है। हालांकि, शहरी इलाकों में खरीदारी का रुझान मिला जुला रहा है।

आरबीआई ने दिया सरकार को 2.7 लाख करोड़ का डिविडेंड

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से सरकार को करीब .7 लाख करोड़ रुपये के बंपर डिविडेंड मिला है। इस बड़े रकम मिलने से सरकार को राजकोषीय घाटा कम करने और इकोनॉमी की रफ्तार तेज करने व दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी। एसबीआई के अर्थशास्त्रियों की रिपोर्ट में यह बात कही गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के अपने बजट में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से कुल मिलाकर 2.56 लाख करोड़ रुपये की लाभांश इनकम का अनुमान लगाया था। आरबीआई के लाभांश हस्तांतरण के बाद यह आंकड़ा अब बजट अनुमान से कहीं ऊंचा रहेगा।

एसबीआई रिसर्च के इकोरैप के ताजा रिपोर्ट के अनुसार, हमारा अनुमान है कि इससे राजकोषीय घाटा बजट के स्तर से 0.2 प्रतिशत कम होकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.2 प्रतिशत रहेगा। वैकल्पिक रूप से यह लगभग 70,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त खर्च का रास्ता खोलेगा, जबकि अन्य चीजों में कोई बदलाव नहीं होगा। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड 2.69 लाख करोड़ रुपये के लाभांश की घोषणा की है। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 2.11 लाख करोड़ रुपये के लाभांश हस्तांतरण की तुलना में 27.4 प्रतिशत की वृद्धि है। यह आकस्मिक जोखिम बफर की सीमा में बदलाव के बाद हुआ है जिसे केंद्रीय बैंक छह प्रतिशत (प्लस या माइनस 1.5 प्रतिशत) तक बनाए रख सकता है। बफर को पहले 5.5 प्रतिशत और 6.5 प्रतिशत के बीच बनाए रखा गया था। रिपोर्ट कहती है कि यह अधिशेष भुगतान मजबूत सकल डॉलर की बिक्री, उच्च विदेशी मुद्रा लाभ और ब्याज आय में लगातार वृद्धि की वजह से है। उल्लेखनीय है कि जनवरी में आरबीआई एशिया के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में विदेशी मुद्रा भंडार का शीर्ष विक्रेता था। सितंबर, 2024 में, विदेशी मुद्रा भंडार 704 अरब अमेरिकी डॉलर के शिखर पर पहुंच गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके बाद केंद्रीय बैंक ने मुद्रा को स्थिर करने के लिए 'ट्रक भरकर डॉलर' बेचे थे। आरबीआई के लिए अधिशेष की स्थिति इसके एलएएफ (तरलता समायोजन की सुविधा) परिचालन और घरेलू और विदेशी प्रतिभूतियों की होल्डिंग से ब्याज आय द्वारा तय की गई थी।

हीरा उद्योग को राहत पैकेज मिला, निवेश पर ब्याज सब्सिडी समेत मिलेगी ये राहत

नई दिल्ली : गुजरात सरकार ने शनिवार को हीरा उद्योग के लिए एक विशेष राहत पैकेज की घोषणा की, जिसके तहत श्रमिकों के बच्चों को एक साल की स्कूल फीस और पॉलिश इकाइयों को पूंजी पर ब्याज सब्सिडी दी जाएगी। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने %हीरा नगरी% सूरत में यह घोषणा की, जहां दुनिया के 90 फीसदी हीरे तराशे और पॉलिश किए जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारकों के चलते हीरा उद्योग मंदी की चपेट में है। विशेष पैकेज के तहत सरकार प्रभावित हीरा श्रमिकों के बच्चों की एक साल की स्कूल फीस देगी। पॉलिश करने वाली इकाइयों को एक साल के लिए बिजली शुल्क से छूट मिलेगी। साथ ही सरकार पांच लाख रुपये की पूंजी पर तीन साल के लिए ब्याज सब्सिडी देगी। संघवी ने पैकेज को राज्य में हीरा श्रमिकों और पॉलिश करने वाली इकाइयों को वित्तीय राहत देने और उद्योग की स्थिरता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

ध्वस्त हुआ ट्रेविस हेड का कीर्तिमान, इस बल्लेबाज ने सिर्फ इतनी गेंदों में ही जड़ा शतक

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 में अभी सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबला हो रहा है। मैच में स्क्रा। के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जो सही साबित हुआ। टीम ने 278 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा ने अच्छी बल्लेबाजी का नमूना पेश किया।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम के लिए अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने शानदार बल्लेबाजी की। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की और टीम के लिए बड़े स्कोर की नींव रख दी। इसके बाद हेनरिक क्लासेन ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने सिर्फ 37 गेंदों में ही शतक लगा दिया। वह आईपीएल के इतिहास में संयुक्त रूप से तीसरे सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बने हैं। उन्होंने युसुफ पठान की बराबरी की है। पठान भी आईपीएल में 37 गेंदों में शतक लगा चुके हैं।

हेनरिक क्लासेन ने ट्रेविस हेड का रिकॉर्ड तोड़ दिया है और वह सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल में सबसे तेज शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले हेड स्क्रा। के लिए सबसे तेज आईपीएल शतक जड़ने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने साल 2024 में आरसीबी के खिलाफ मैच में 39 गेंदों में शतक लगाया था।

हेनरिक क्लासेन ने मैच में कुल 39 गेंदें खेलते हुए 105 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के आगे कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाज टिक नहीं पाए। उनके अलावा ट्रेविस हेड ने 76 रन बनाए। अभिषेक शर्मा ने 32 रनों का योगदान दिया। इन प्लेयर्स की वजह से ही स्क्रा। की टीम मैच में 278 रनों का हिमालय जितना बड़ा स्कोर बना पाई। केकेआर के लिए सुनील नरेन ने सबसे ज्यादा दो विकेट हासिल किए।

रिटायरमेंट पर एमएस धोनी ने फिर दिया गोल-गोल जवाब

मुंबई : आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स का आखिरी लीग मुकाबला गुजरात टाइटंस से था। इस मैच में छ्श्रृ ने 83 रनों से जीत दर्ज की। इस मैच के बाद फैंस की नजरें एमएस धोनी पर थी। सभी का मानना था कि यह एमएस धोनी का आखिरी आईपीएल मैच हो सकता है। इसी वजह से जब एमएस पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी में पहुंचे तो वहां मौजूद स्पोर्ट्स प्रेजेंटर हर्षा भोगले ने उनसे रिटायरमेंट को लेकर सवाल पूछा। उनसे पूछा कि क्या वो अगले सीजन में फिर से खेलते हुए दिखेंगे।

एमएस धोनी ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि यह कई चीजों पर निर्भर करता है। मेरे पास फैसला लेने के लिए 4-5 महीने हैं, कोई जल्दबाजी नहीं है। अगले सीजन में खेलने के लिए शरीर को फिट रखने की जरूरत है। आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होता है। यदि क्रिकेटर अपने प्रदर्शन को देखकर संन्यास लेना शुरू कर दें, तो उनमें से कुछ 22 साल की उम्र में ही संन्यास ले लेंगे। उन्होंने बताया कि वह अब रांची वापस जाएंगे, कुछ बाइक राइड का आनंद लेंगे। धोनी ने इसके बाद फिर से साफतौर पर कह दिया कि वह न ही संन्यास ले रहे हैं और न ही ये कह रहे हैं कि वो अगले सीजन में खेलने आ रहे हैं।

अगले सीजन में खेलने को लेकर धोनी ने कहा कि वह इसके बारे में सोचेंगे और फिर फैसला करेंगे। जब उन्होंने सीजन की शुरुआत की थी, तब चार मैच चेन्नई में थे।

जीत और हार हमारे हाथ में नहीं, पंजाब को हराने के बाद दिल्ली के धाकड़ बल्लेबाज का बड़ा बयान

नई दिल्ली : दिल्ली कैपिटल्स के युवा बल्लेबाज समीर रिजवी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शानदार अर्धशतक जमाकर टीम को यादगार जीत दिलाई। इस 21 साल के खिलाड़ी ने 25 गेंदों में नाबाद 58 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 3 चौके शामिल थे। उनकी इस पारी की बदौलत दिल्ली ने 207 रनों का मुश्किल लक्ष्य 19.3 ओवर में छह विकेट से हासिल कर लिया।

दिल्ली को जीत दिलाने के बाद समीर रिजवी ने कहा कि जीत-हार हमारे हाथ में नहीं है। हम सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे सकते हैं। सभी खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। भले ही हम प्लेऑफ में नहीं जा सके, लेकिन टीम का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन में 7 जीत, 6 हार और 1 बेनतीजा मुकाबले के साथ पॉइंट्स टेबल में पांचवां स्थान हासिल किया। टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत लगातार चार जीत के साथ की थी, लेकिन बाद में लय बिगड़ने के कारण प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।

आईपीएल में अपने पहले अर्धशतक से गदगद रिजवी ने कहा कि वह बेहद राहत महसूस कर रहे हैं।

जो चीजें वह प्रैक्टिस में सोचते थे, उन्हें आज मैदान पर उतारने में सफल रहे। अपनी बल्लेबाजी से संतुष्ट हैं, और यही हासिल करना चाहता थे।

प्लेऑफ से पहले पंजाब किंग्स को लगा बड़ा झटका, जिस खिलाड़ी ने ली थी हैट्रिक, वही हो गया चोटिल

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 अब धीरे-धीरे अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच रहा है। लीग स्टेज में अब सिर्फ 3 मुकाबले बचे हुए हैं और उसके बाद प्लेऑफ चरण की शुरुआत होगी। प्लेऑफ शुरू होने से पहले पंजाब किंग्स की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल चोटिल हो गए हैं।

इस खबर का खुलासा पंजाब के अस्सिस्टेंट कोच सुनील जोशी ने किया। उन्होंने बताया कि चोट की वजह से ही चहल दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे। चहल का चोटिल होना टीम के लिए बड़ा झटका हो सकता है।

24 मई को छ्ट्ट के खिलाफ मैच में पंजाब के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इस मुकाबले में पंजाब को चहल की कमी जाहिर तौर पर खली। मैच के बाद हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोच जोशी ने खुलासा किया कि 34 वर्षीय चहल को एक छोटी सी चोट के कारण आराम दिया गया था। हालांकि सहायक कोच ने चोट के बारे में विस्तार से कुछ भी नहीं बताया। चहल की जगह इस मैच में प्रवीण दुबे को प्लेइंग ञ्च्ञ्च् में मौका दिया गया था। उन्होंने हरप्रीत बरार के साथ स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा संभाला।

दुबे को इस मैच में दो ओवर गेंदबाजी करने का मौका मिला। उन दो ओवरों में उन्होंने 20 रन दिए लेकिन वहां उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। बरार की बात करें तो उन्होंने अपने चार के ओवर में 41 रन खर्च करके दो विकेट झटके।

इस सीजन में युजवेंद्र चहल के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक कुल 13 मुकाबले खेले हैं और उनके नाम अब तक 14 विकेट दर्ज हैं। इस सीजन वो काफी महंगे साबित हुए हैं। उन्होंने अब तक 9.56 की इकॉनमी रेट से रन खर्च किए हैं। चहल के नाम इस सीजन एक हैट्रिक भी दर्ज है जो उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लिया था।

सद्गुण का पुरस्कार केवल सद्गुण है।

– *एमर्सन*

खतरे का अलार्म बजा रही

छत्तीसगढ़ में तेजी से गिरते भूजल स्तर से धरती की कोख सूख रही है। शहरी क्षेत्रों में भूजल का स्तर बहुत ही नीचे चला गया है, और नीचे जाता जा रहा है। धरती की सूख रही कोख बार-बार खतरे का अलार्म बजा रही है। एक कारण जो मेरी समझ में आ रहा है, वह यह है कि हमारी सोच होती जा रही है- जिंदगी चार दिन की है.. आज मजे कर लोज कल किसने देखा?

इसी सोच के चलते हम हमारे पूर्वजों की बनाई जल संरचनाओं को ध्वस्त करते जा रहे हैं। एक समय था जब छत्तीसगढ़ तालाबों और कुओं के लिए जाना जाता था। गांव-गांव में कम से कम दो तालाब तो होते ही थे। राजधानी रायपुर की ही बात करें, तो इतिहासकारों के अनुसार 15वीं से 18वीं सदी के मध्य 300 से ज्यादा तालाब थे।

क्षेत्रफल की दृष्टि से देखें तो तब का रायपुर, आज के रायपुर का एक चौथाई ही रहा होगा। अस्सी-नब्बे के दशक तक भी रायपुर में 200 से ज्यादा तालाब थे। वर्तमान में रायपुर में 126 तालाब ही बचे हैं। यह स्थिति तब है, जबकि रायपुर नगर निगम की सीमा में 65 से 70 गांव शामिल हो चुके हैं यानी कि इन गांवों में अगर एक तालाब भी रहा होगा तो रायपुर में तालाबों की संख्या बढ़ जाना चाहिए थी। पर ऐसा हुआ नहीं। भूमाफियाओं की कुदृष्टि भूजल के स्तर को बनाए रखने वाली इस जल संरचना पर पड़ी और शहरीकरण की दौड़ में शामिल रायपुर में धीरे-धीरे करके तालाबों की हत्या होनी शुरू हो गई यानी कि तालाबों को पाटकर प्लॉटिंग होने लगी और इमारतें तनने लगीं। ऐसी स्थिति प्रदेश के सभी शहरों की हो गई है।

पिछले दिनों राजधानी रायपुर में एक कार्यशाला हुई, जिसमें भूजल संवर्धन मिशन (शहरी) का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में हाइड्रोलॉजिस्ट्स, कॉलोनाइजर्स, उद्योग समूह और विभिन्न सरकारी विभागों ने भूजल और वर्षा जल के प्रभावी संवर्धन पर कई घंटे तक मंथन और संवाद किया। इसमें बारिश के पानी को व्यर्थ बहने से रोक कर इसका उपयोग जलस्तर को रिचार्ज करने पर जोर दिया गया। साथ ही उपयोग किए हुए पानी के रिसायकल और रियूज पर भी जोर दिया गया।

जीवों को सभी कर्मों का फल देते है शनि देव

शनि जयंती एक हिंदू पर्व है जो ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, अमावस्या को मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन शनि देव का जन्म हुआ था। शनि देव हिंदू धर्म में पूजे जाने वाले प्रमुख देवताओं में से एक हैं...

शनि जयंती का महत्त्व

इस दिन प्रमुख शनि मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। भारत में स्थित प्रमुख शनि मंदिरों में भक्त शनि देव से संबंधित पूजा-पाठ करते हैं तथा शनि पीड़ा से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं। शनि देव को 'काला' या 'कृष्ण वर्ण' का बताया जाता है, इसलिए इन्हें काला रंग अधिक प्रिय है। शनि देव काले वस्त्रों में सुशोभित हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शनिदेव का जन्म ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि के दिन हुआ है। जन्म के समय से ही शनि देव श्याम वर्ण, लंबे शरीर, बड़ी आंखों वाले और बड़े केशों वाले थे।

ज्योतिषीय दृष्टिकोण

शनिदेव को समस्त ग्रहों में सबसे शक्तिशाली ग्रह माना गया है। शनि देव के शीश पर अमूल्य मणियों से बना मुकुट सुशोभित है। शनि देव के हाथ में चमत्कारिक यंत्र है, शनिदेव न्यायप्रिय और भक्तों को अभयदान देने वाले देव माने जाते हैं। शनिदेव प्रसन्न हो जाएं तो रंक को राजा और क्रोधित हो जाएं तो राजा को रंक भी बनाने में देरी नहीं लगाते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि का फल व्यक्ति की जन्म कुंडली के बलवान और निर्बल होने पर तय करते हैं कि जातक को शनि प्रभाव से बचने के लिए क्या-क्या उपाय करने चाहिए। शनि पक्षरहित होकर अगर पाप कर्म की सजा देते हैं तो उत्तम कर्म करने वाले मनुष्य को हर प्रकार की सुख-सुविधा एवं वैभव भी प्रदान करते हैं। शनि देव की जो भक्तिपूर्वक व्रतोपासना करते हैं, वे पाप की ओर जाने से बच जाते हैं जिससे शनि की दशा आने पर उन्हें कष्ट नहीं भोगना पड़ता। शनिदेव की पूजा के पश्चात उनसे अपने अपराधों एवं जाने-अनजाने जो भी आपसे पाप कर्म हुआ हो, उसके लिए क्षमा याचना करनी चाहिए। शनि महाराज की पूजा के पश्चात राहु और केतु की पूजा भी करनी चाहिए। इस दिन शनि भक्तों को पीपल में जल देना चाहिए और पीपल में सूत्र बांधकर सात बार परिक्रमा करनी चाहिए। शनिवार के दिन भक्तों को शनि महाराज के नाम से व्रत रखना चाहिए।

न्याय के देवता

शनिदेव नीतिगत न्याय करते हैं। कहते हैं 'शनि वक्री जनै: पीड़ा' अर्थात शनि के वक्री होने से लोगों को पीड़ा होती है। इसीलिए शनि की दशा से पीड़ित लोगों को शनि जयंती के दिन उनकी पूजा-आराधना करनी चाहिए। इससे उन्हें सुख प्राप्त होगा और पूरे साल हर शनिवार के दिन पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाने और सरसों के तेल का दीया जलाने से प्रसन्न किया जा सकता है। यह न्याय के देवता हैं, योगी, तपस्या में लीन और हमेशा दूसरों की सहायता करने वाले होते हैं। शनि ग्रह को न्याय का देवता कहा जाता है। यह जीवों को सभी कर्मों का फल प्रदान करते हैं। शनिवार को सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करके, इसके साथ ही इस दिन शनि चालीसा का पाठ विशेष फल प्रदान कराता है। शनिदेव का नाम या स्वरूप ध्यान में आते ही मनुष्य भयभीत अवश्य होता है, लेकिन कष्टतम समय में जब शनिदेव से प्रार्थना कर उनका स्मरण करते हैं तो वे ही शनिदेव कष्टों से मुक्ति का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं।

शनिदेव की विशेष पूजा

इस दिन शनि देव की विशेष पूजा का विधान है। शनि देव को प्रसन्न करने के लिए अनेक मंत्रों व स्तोत्रों का गुणगान किया जाता है। शनि हिंदू ज्योतिष में नौ मुख्य ग्रहों में से एक हैं। शनि अन्य ग्रहों की तुलना में धीमे चलते हैं, इसलिए इन्हें शनैश्चर भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार शनि के जन्म के विषय में काफी कुछ बताया गया है और ज्योतिष में शनि के प्रभाव का साफ संकेत मिलता है। शनि ग्रह वायु तत्त्व और पश्चिम दिशा के स्वामी हैं। शास्त्रों के अनुसार शनि जयंती पर उनकी पूजा-आराधना और अनुष्ठान करने से शनिदेव विशिष्ट फल प्रदान करते हैं।

शनि जन्म कथा

शनि जन्म के संदर्भ में एक पौराणिक कथा बहुत मान्य है जिसके अनुसार शनि, सूर्य देव और उनकी पत्नी छाया के पुत्र हैं। सूर्य देव का विवाह प्रजापति दक्ष की पुत्री संज्ञा से हुआ। कुछ समय पश्चात उन्हें तीन संतानों के रूप में मनु, यम और यमुना की प्राप्ति हुई। इस प्रकार कुछ समय तो संज्ञा ने सूर्य के साथ निर्वाह किया, परंतु संज्ञा सूर्य के तेज को अधिक समय तक सहन नहीं कर पाईं, उनके लिए सूर्य का तेज सहन कर पाना मुश्किल होता जा रहा था। इसी वजह से संज्ञा अपनी छाया को पति सूर्य की सेवा में छोड़कर वहां से चली गईं। कुछ समय बाद छाया के गर्भ से शनि देव का जन्म हुआ।

शनि जयंती पूजा

शनि जयंती के अवसर पर शनिदेव के निमित्त विधि-विधान से पूजा-पाठ तथा व्रत किया जाता है। शनि जयंती के दिन किया गया दान-पुण्य एवं पूजा-पाठ शनि संबंधी सभी कष्ट दूर कर देने में सहायक होता है। शनिदेव के निमित्त पूजा करने हेतु भक्त को चाहिए कि वह शनि जयंती के दिन सुबह जल्दी स्नान आदि से निवृत्त होकर, नवग्रहों को नमस्कार करते हुए शनिदेव की लोहे की मूर्ति स्थापित करे और उसे सरसों या तिल के तेल से स्नान कराए तथा षोड्शोपचार पूजन करे, साथ ही शनि मंत्र का उच्चारण करे-ओउम शनिश्चराय नमः। इसके बाद पूजा सामग्री सहित शनिदेव से संबंधित वस्तुओं का दान करे। इस प्रकार पूजन के बाद दिन भर निराहार रहें व मंत्र का जप करें। शनि की कृपा एवं शांति प्राप्ति हेतु तिल, उड़द, काली मिर्च, मूंगफली का तेल, आचार, लौंग, तेजपत्ता तथा काले नमक का उपयोग करना चाहिए। शनि देव को प्रसन्न करने के लिए हनुमान जी की पूजा करनी चाहिए।

26 may Page No -7.qxd 5/25/2025 4:35 PM Page 1

अग्नि की लपटें ऊपर को ही उठेंगी

शरीर और आत्मा का गठबंधन कुछ ऐसा ही है, जिसमें जरा अधिक ध्यान देखने पर वास्तविकता झलक जाती है। शरीर भौतिक स्थूल पदार्थों से बना हुआ है, किंतु आत्मा सूक्ष्म है। पानी में तेल डालने पर वह ऊपर को ही आने का प्रयत्न करेगा क्योंकि तेल के परमाणु पानी की अपेक्षा अधिक सूक्ष्म हैं। अग्नि की लपटें ऊपर को ही उठेंगी। पृथ्वी की आकर्षक शक्ति और वायु का दबाव उसे रोक नहीं सकता है। आत्मा शरीर की अपेक्षा सूक्ष्म है, इसलिए वह इसमें बंधी होते हुए भी इसमें पूरी तरह घुल मिल जाने की अपेक्षा ऊपर उठने की कोशिश करती रहती है। लोग कहते हैं कि इंद्रियों के भोग हमें अपनी ओर खींचे रहते हैं, पर यह बात सत्य नहीं है। सत्य के दर्शन कर सकने के योग्य सुविधा और शिक्षा प्राप्त न होने पर मन मानकर अपनी आंतरिक प्यास को बुझाने के लिए मनुष्य विषय भोगों की कीचड़ पीता है। हम जानते हैं कि इन पंक्तियों को पढ़ते समय तुम्हारा चित्त वैसी ही उत्सुकता और प्रसन्नता का अनुभव कर रहा है, जैसी बहुत दिनों से बिछुड़ा हुआ परदेशी अपने घर कुटुंब के समाचार सुनने के लिए आतुर होता है। यह एक मजबूत प्रमाण है, जिससे सिद्ध होता है कि मनुष्य की आंतरिक इच्छा आत्म स्वरूप देखने की बनी रहती है। शरीर में रहता हुआ भी वह उसमें घुलमिल नहीं सकता, वरन् उचक-उचक कर अपनी खोई हुई किसी चीज को तलाश करता है। बस, वह स्थान जहां भटकता है, यही है। उसे यह याद नहीं आता कि मैं क्या चीज

ढूंढ रहा हूं? मेरा कुछ खो गया है, इसका अनुभव करता है। खोई हुई वस्तु के अभाव में दुःख पाता है, किंतु माया जाल के पर्दे में छिपी हुई चीज को नहीं जान पाता। चित्त बड़ा चंचल है, घड़ी भर भी एक जगह नहीं ठहरता। इसकी सब लोग शिकायत करते हैं, परंतु कारण नहीं जानते कि मन इतना चंचल क्यों हो रहा है? कस्तूरी मृग कोई अद्भुत गंध पाता है और उसके पास पहुंचने के लिए दिन-रात चारों ओर दौड़ता रहता है। क्षण भर भी उसे विश्राम नहीं मिलता। यही हाल मन का है। यदि वह समझ जाए कि कस्तूरी मेरी नाभि में रखी हुई है, तो वह कितना आनंद प्राप्त कर सके और सारी चंचलता भूल जाए। आत्मा के पास तक पहुंचने के साधन जो हमारे पास मौजूद हैं, वह चित्त, अंतःकरण मन, बुद्धि आदि ही हैं।

आत्म दर्शन की साधना इन्हीं के द्वारा हो सकती है। शरीर में सर्वत्र आत्मा व्याप्त है। कोई विशेष स्थान इसके लिए नियुक्त नहीं है, जिस पर किसी साधन विशेष का उपयोग किया जाए। जिस प्रकार आत्मा की आराधना करने में मन, बुद्धि आदि ही समर्थ हो सकते हैं, उसी प्रकार उसके स्थान और स्वरूप का दर्शन मानस लोक में प्रवेश करने से हो सकता है। मानसिक लोक भी स्थूल लोक की तरह ही है। उसमें इसी बाहरी दुनिया की ही अधिकांश छाया है। अभी हम कलकत्ते का विचार कर रहे हैं, अभी हिमालय पहाड़ की सैर करने लगे। अभी जिनका विचार किया था, वह स्थूल कलकत्ता और हिमालय नहीं थे, वरन् मानस लोक में स्थित उनकी छाया थी, यह छाया असत्य नहीं होती। पदार्थों का सच्चा अस्तित्व हुए बिना कोई कल्पना नहीं हो सकती। इस मानस लोक को भ्रम नहीं समझना चाहिए। यही वह सूक्ष्म चेतना है, जिसकी सहायता से दुनियां के सारे काम चल रहे हैं। किसी के मन में क्या भाव उपज रहे हैं, कौन हमारे प्रति क्या सोचता है, कौन संबंधी कैसी दशा में है आदि बातों को मानसलोक में प्रवेश करके हम अस्सी फीसदी ठीक-ठीक जान लेते हैं।

आदतों और दमन के सभी कवच मौजूद नहीं

आपने कहा कि हमारी कोई समस्या नहीं है, हमारी समस्याएं मौजूद ही नहीं हैं। मैं एक कैथोलिक परिवार में पला-बढ़ा हूं और इक्कीस साल एक विक्षिप्त शिक्षा के माहौल में गुजारे हैं। क्या आप यह कह रहे हैं कि आदतों और दमन के सभी कवच मौजूद नहीं होते और तुरंत छोड़े जा सकते हैं? फिर उन चिन्हों का क्या होगा जो दिमाग पर और शरीर की मांसपेशियों पर छूट गए हैं? यह बहुत अर्थपूर्ण सवाल है। सवाल अर्थपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य के कार्य करने की आंतरिक वास्तविकता के दो विभिन्न दृष्टिकोणों को दिखाता है। पश्चिमी दृष्टिकोण है समस्या के बारे में सोचना, समस्या के कारण ढूंढना, समस्या के इतिहास में जाना, समस्या के अतीत में जाना, समस्या को बिलकुल जड़ से उखाड़ना, दिमाग के संस्कारों को खत्म करना या उन सभी चिन्हों

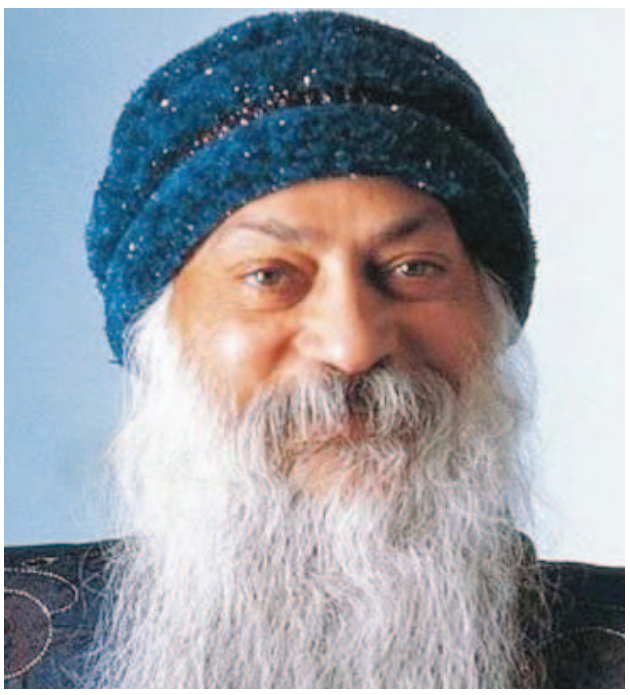

को दूर करना जो दिमाग पर छूट गए हैं। यह पश्चिमी दृष्टिकोण है। मनोविश्लेषण स्मृति में जाता है, वहां काम करता है। यह तुम्हारे बचपन में जाता है, तुम्हारे अतीत में, यह पीछे की ओर गति करता है। यह ढूंढता है कि समस्या कहां से शुरू हुई थी। हो सकता है पचास साल पहले, जब तुम एक बच्चे थे, तुम्हारी समस्या तुम्हारी मां के साथ हुई थी। तब मनोविश्लेषण पीछे जा सकता है। पचास साल का इतिहास! यह बहुत लंबा घिसटता हुआ काम है। और तब भी शायद यह ज्यादा मदद नहीं करता क्योंकि समस्याएं लाखों हैं। यह एक समस्या का सवाल नहीं है।

तुम एक समस्या के इतिहास में जा सकते हो, तुम अपनी आत्मकथा में देख सकते हो और कारणों को खोज सकते हो और शायद तुम एक समस्या को हल कर सकते हो, लेकिन लाखों समस्याएं हैं। एक जन्म की समस्याओं को हल करने के लिए यदि तुम हर समस्या में जा कर काम करना शुरू करोगे तो तुम्हें लाखों जन्मों की जरूरत पड़ेगी। अब वही मनोविश्लेषण का दृष्टिकोण शरीर में प्रवेश कर चुका है और अन्य तरीके हैं जोकि शरीर से, मांसपेशियों से चिन्हों को मिटाने की कोशिश करते हैं। फिर से, तुम्हें शरीर के इतिहास में जाना होगा। लेकिन दोनों दृष्टिकोणों में एक चीज सुनिश्चित है, उनका सोचने का एक जैसा तर्कपूर्ण तरीका कि समस्या अतीत से आती है, इसलिए इससे अतीत में निपटना होगा। पूरब का तरीका बिलकुल अलग है। पहला, वह कहता है कोई समस्या गंभीर नहीं है। जिस क्षण तुम कहते हो कि समस्या गंभीर नहीं है, समस्या करीब-करीब निन्यानबे प्रतिशत खत्म हो जाती है। इसके बारे में तुम्हारा संपूर्ण दृष्टिकोण बदल जाता है। दूसरी चीज पूरब कहता है, समस्या इसलिए है क्योंकि तुमने इसके साथ तादात्म्य किया है। इसका अतीत से कोई लेना-देना नहीं है। तुमने इसके साथ तादात्म्य बनाया है, यही असली चीज है। और यह सभी समस्याओं को सुलझाने की कुंजी है। उदाहरण के लिए तुम एक क्रोधी व्यक्ति हो। यदि तुम मनोविश्लेषक के पास जाते हो, वह कहेगा अतीत में जाओ, यह क्रोध कैसे शुरू हुआ था? कौन सी परिस्थितियों में यह ज्यादा और ज्यादा आता है और तुम्हारे दिमाग पर अंकित हो जाता है? हमें वह सभी चिन्ह धो डालने होंगे, हमें उन्हें बाहर निकाल देना होगा। हमें तुम्हारे अतीत को पूर्णतया साफ करना होगा।

यदि तुम पूरब के रहस्यदर्शी के पास जाओगे, वह कहेगा तुम सोचते हो तुम क्रोध हो, तुम क्रोध के साथ तादात्म्य महसूस करते हो। यही वह बिंदु है जब चीजें गलत हो रही हैं। अगली बार क्रोध आता है, सिर्फ दृष्टा रहें, सिर्फ साक्षी रहें। क्रोध के साथ अपना तादात्म्य न बनाएं। न कहें, मैं क्रोध हूं। न कहें, मैं क्रोधित हूं। अपने आपको इस तरह देखें जैसे कि किसी और को देख रहे हैं। तुम एक विशुद्ध चेतना हो। जब गुस्से के बादल तुम्हारे चारों ओर छा जाते हैं तो सिर्फ देखो और सावधान रहो जिससे कि तुम उनसे अपना तादात्म्य न बना लो।

परमात्मा हमारे अंग संग

हम कभी नहीं पूछते कि कोई कारण! कोई नहीं पूछता कोई प्रमाण, बस हम फौरन जाकर इसके पाप की खबर दूसरे को देने चल पड़ते हैं और तो और हम इस खबर में काफी मिर्च-मसाला मिला देते हैं। मानो जितना हम जानते हैं उससे ज्यादा हम कहते हैं, लेकिन अगर कोई आदमी कहे कि फलां आदमी महात्मा है, तो हम हजार सवाल उठाते हैं और फिर संदेह बना रहता है कि अभी इस आदमी की पोल पट्टी खुली नहीं है आज नहीं तो कल खुल जाएगी। ये महात्मा नहीं हो सकता, क्योंकि यही एक तरकीब है, जिससे हमारा अहंकार भरता है। मानो सबको छोटा करो सबको बुरा कहो

तो हमें अच्छा लगता है और अगर अच्छे लोग हों चारों तरफ तो हमें बड़ी पीड़ा होती है। ऐसी मनोस्थिति ही 'निंदा' की सूचक है। अब ऊपर जो कुछ वर्णन किया गया है, ये मनोस्थिति है, निदंक की, अज्ञानी की और इससे ठीक उल्ट हृदय की स्थिति होती है, ज्ञानी की। क्योंकि पुरुष निर्णय तभी देता है, जब ये निर्णय सत्य की तरफ ले जाने वाला हो, अन्यथा ये निर्णय को रोक लेता है, क्योंकि बुरे को बुरा कहना उसे और बुरा बनाने की व्यवस्था देना है। मानो भले ही भला कहना उसे भले की तरफ सहारा देना है।

महात्माओं का मत है कि अगर एक बुरे आदमी को भी सारा समाज भला कहने लगे, उसे बुरा होना मुश्किल हो जाएगा। मानो अगर एक बुरे आदमी को भला मानने को मिल जाता है, तो उसके भीतर नए बीज फूटने शुरू हो जाते हैं, फिर वो कोशिश करता है कि कम से कम एक आदमी की आंख में ये भला बना रहे। इससे विपरीत जब हम सब मिलकर किसी आदमी को बुरा कहने लग जाते हैं, तो हम दरअसल इसे धक्के दे रहे होते हैं और धीरे-धीरे हम उसे विश्वास दिला रहे होते हैं कि वो बुरा है। चुनांचे इस सूरत में न केवल वो आदमी बुरा होगा, बल्कि जब कभी वो पाएगा कि वो बुरा नहीं तब उसको भी बेचैनी होगी,क्योंकि हमने जो उसकी प्रतिभा बनाई है उस प्रतिभा के साथ वो पक्का मेल कर लेता है। मनस्विद ठीक ही कहते हैं कि जिन बच्चों को स्कूल के शिक्षक घर में मां-बाप और परिवार के लोग कहते हैं कि ये बच्चा नालायक है, वह बच्चा धीरे-धीरे मान ही लेता है कि ठीक है, जब सब उसे नालायक कहते हैं ठीक ही कहते होंगे। मानो फिर नालायक होने को राजी हो जाता है और अगर फिर उसमें समझदारी की कोई किरण आए भी, तो वह उसे दबाता है। क्योंकि ये इसकी प्रतिभा के बिलकुल विपरीत है। इस बात पर बहुत प्रयोग किए गए हैं।

मानो 'निंदा' सामाजिक बुराइयों की जनक है। इस प्रकार कहना पड़ेगा कि धारणा ही हमारे जीवन को बनाती है और हमारी धारणाओं को हमारे आसपास के लोग ही बनाते हैं, अगर हम बुद्ध पुरुषों की संगत में रहते हैं तो इनके पास एक स्वर पाएंगे कि परमात्मा हमारे अंग-संग है, ये अंशी है और हम इसके अंश हैं। इससे कम इनकी कोई उद्घोषणा नहीं होती। ये हमें यही याद दिलाते रहते हैं कि हम ब्रह्म स्वरूप है और ये स्मृति हमारे भीतर घनी होने लगती है ये बात हमारे भीतर गहरे में बैठनी शुरू हो जाती है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक लोकेश सूद द्वारा 109/6, लोअर बाजार, शिमला से प्रकाशित तथा भारतेन्दु ऑफसैट प्रिंटिंग प्रैस, औद्योगिक क्षेत्र, ख्यारा चौकी, शोघी, शिमला-173219 से मुद्रित। व्यवस्थापक सीमा सूद।
सम्पादकीय कार्यालय एवं फैक्स : 2808285
आर.एन.आई.नं. एचपीएचआईएन/ 2000/2437
पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. एच पी/68/एस एम एल
bhartendushikhar20@yahoo.com

देश-विदेश

'ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया भर में आतंक के खिलाफ लड़ाई को नया विश्वास और उत्साह दिया'

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया-भर में आतंक के खिलाफ़ लड़ाई को नया विश्वास और उत्साह दिया है क्योंकि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया, यह उनका अदम्य साहस था और उसमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के साथ भारत में बने हथियारों, उपकरणों और प्रौद्योगिकी की की ताकत शामिल थी। पीएम मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 122वीं कड़ी में कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है, आक्रोश से भरा हुआ है, संकल्पबद्ध है। आज हर भारतीय का आतंकवाद को खत्म करने का संकल्प है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमारी सेनाओं ने जो पराक्रम दिखाया है उसने हर हिंदुस्तानी का सिर ऊंचा कर दिया है।

पुंछ के लोगों की पीड़ा और उन्हें न्याय देने की मांग राष्ट्रीय स्तर पर उठाऊंगा : राहुल गांधी

नई दिल्ली : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि सीमा पार की गोलाबारी में जम्मू-कश्मीर में पुंछ क्षेत्र में लोगों को भारी संकट का सामना करना पड़ा है और उनके घरों की बर्बादी अत्यंत पीड़ादायक है इसलिए पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर वह उनकी मांग उठाएंगे। राहुल गांधी ने कहा, आज पुंछ में पाकिस्तान की गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों से मिला। टूटे मकान, बिखरा सामान, नम आंखें और हर कोने में अपनों को खोने की दर्द भरी दास्तान, पुंछ क्षेत्र के ये देशभक्त परिवार हर बार जंग का सबसे बड़ा बोझ साहस और गरिमा के साथ उठाते हैं। उनके हौसले को सलाम है।

दिल्ली के बाद अब नोएडा में मिला कोरोना मरीज, 55 वर्षीय महिला पाई गई पॉजिटिव

नई दिल्ली : देशभर में कोरोना के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ने शुरू हो गए हैं। दिल्ली और गाजियाबाद के बाद अब नोएडा में भी कोरोना ने दस्तक दे दी है। यहां गौतमबुद्ध नगर जिले में कोरोना के पहला मामला सामने आया है। नोएडा के सेक्टर 110 की एक 55 वर्षीय महिला कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। महिला में कोरोना के हल्के लक्षण दिखे हैं और उसे होम आइसोलेशन में रखा गया है। इसके अलावा महिला के परिवार के सदस्यों के भी सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

निजी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए बस पास किराए में बड़ी राहत

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री से शिमला में शहर के निजी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के अभिभावकों के शिष्टमंडल ने भेंट की। शिष्टमंडल ने हाल ही में बढ़ाए गए बस पास किराए सहित अन्य समस्याओं को उप-मुख्यमंत्री के समक्ष रखा। उप-मुख्यमंत्री ने अभिभावकों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना और उनके सुझावों को महत्व देते हुए विद्यार्थियों के हित में अहम निर्णय लिए। उप-मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि पहले बस पास के लिए दो स्लैब थे। पहले स्लैब में 5 किलोमीटर तक 1800 रुपए और 5 किलोमीटर से अधिक दूरी पर 2500 रुपए निर्धारित किए गए थे। उन्होंने कहा कि अब इसमें सुधार करते हुए तीन स्लैब बनाए गए हैं। पहले स्लैब के अंतर्गत 6 किलोमीटर तक की दूरी तय करने के लिए बस पास किराया 1200 रुपये किया गया है। 1800 रुपये की तुलना में इसमें 600 रुपये की कटौती की गई है।

इसमें यात्रा दूरी को एक किलोमीटर बढ़ाकर 5 से 6 किलोमीटर किया गया है। दूसरे स्लैब को 6 से 12 किलोमीटर तक किया गया है जिसमें बस किराया 700 रुपए कम कर 1800 रुपए तय किया गया है। तीसरे स्लैब के तहत 12 किलोमीटर से अधिक की दूरी पर अब बस पास का किराया 2000 रुपए निर्धारित किया गया है। उप-मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि बहुत जल्द विद्यार्थियों के बस पास की सुविधा ऑनलाइन उपलब्ध करवाई जाएगी, जिससे अभिभावकों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हिमाचल पथ परिवहन निगम प्रदेश में जनकल्याण की भावना से सेवाएं प्रदान करता है और यह निर्णय उसी उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दौलतपुर चौक बाजार में निकाली तिरंगा यात्रा

दौलतपुर चौक : भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकवाद के खिलाफ की गई ऐतिहासिक कार्यवाही और पहलगाम में हुए नरसंहार का मुंहतोड़ जवाब देने पर दौलतपुरचौक बाजार में भाजपा मंडल ने वीर जवानों के शौर्य और बलिदान के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली। यह यात्रा विश्राम गृह दौलतपुर चौक से शुरू होकर मुख्य बस अड्डे तक गई। यात्रा में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा थामे भारत माता की जय और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारों के साथ जोशपूर्ण भागीदारी की। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्यातिथि पूर्व मंत्री एवं जसवां प्रागपुर के विधायक विक्रम ठाकुर ने कहा कि पहलगाम नरसंहार के बाद ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

धनी राम शांडिल ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री से भेंट की

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने शुक्रवार को सायं नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से भेंट की। डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने निर्भया निधि से मुख्य मंत्री आदर्श ग्राम सुख-आश्रय परिसर परियोजना के लिए 132.41 करोड़ रुपए की धनराशि जारी करने का आग्रह किया। उन्होंने अवगत करवाया कि मुख्यमंत्री आदर्श ग्राम सुख-आश्रय परिसर परियोजना के तहत एक ही स्थान पर आवासीय सुविधा के साथ-साथ प्रशिक्षण केंद्र और स्कूल/व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र व मनोरंजन से सम्बंधित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इस केंद्र में अनाथ, परित्यक्त बच्चों, वृद्धाश्रमों में रहने वाले वृद्धजनों तथा शक्ति सदन में रहने वाली महिलाओं को रहने की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए हिमाचल प्रदेश राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित बाल देखभाल संस्थानों के लम्बित भुगतान के रूप में 3,68,76,538 रुपए की राशि जारी करने का भी आग्रह किया। उन्होंने पूर्ववर्ती राष्ट्रीय क्रेच योजना/पालना योजना के तहत वित्त वर्ष 2020-21 व 2021-22 के लिए 91.33 लाख रुपए, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 1.80 करोड़ रुपए तथा वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 2.22 करोड़ रुपए की लम्बित राशि जारी करने का भी आग्रह किया।

नशा तस्करों को पकड़ने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : शहर में बढ़ते नशे के खिलाफ न्यू शिमला रेजिडेंट वैल्फेयर एसोसिएशन फेज-3 ने पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग है। इस विषय को लेकर न्यू शिमला रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन फेज-3 के पूर्व प्रधान व कार्यकारिणी सदस्य जीवन शर्मा व न्यू शिमला रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सैक्टर-2 के प्रधान डाक्टर ओपी शर्मा ने पुलिस अधीक्षक शिमला संजीव कुमार गांधी से उनके कक्ष में मुलाकात की और जिला में नश के खिलाफ चल रहे अभियान की सराहना की। इस दौरान एसपी को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें उनसे आग्रह किया कि शाम को अंधेरे में विशेषकर शिमला के पार्कों व पगडंडियों में पुलिस की गश्त नियमित रूप से की जाए ताकि नशे के तस्करों व नशेड़ियों पर नकेल कसी जा सके।

नशे के पूर्ण अनुमूलन के लिए सादे कपड़ों में भी पुरुष पुलिस कर्मचारी भी तैनात करने चाहिए। इस मौके पर पूर्व प्रधान जीवन शर्मा ने कहा कोई ऐसा दिन नहीं जाता जिस दिन अखबारों में नशे के तस्करों एवं सौदागरों की पकडे जाने की कोई खवर न छपी हो । इस तरह इनके कृत्यों ने शान्त हिमाचल प्रदेश के नौजवानों को नशे के गर्त में डालकर पूरे प्रदेश को बेहद अंशात करके रख दिया है।